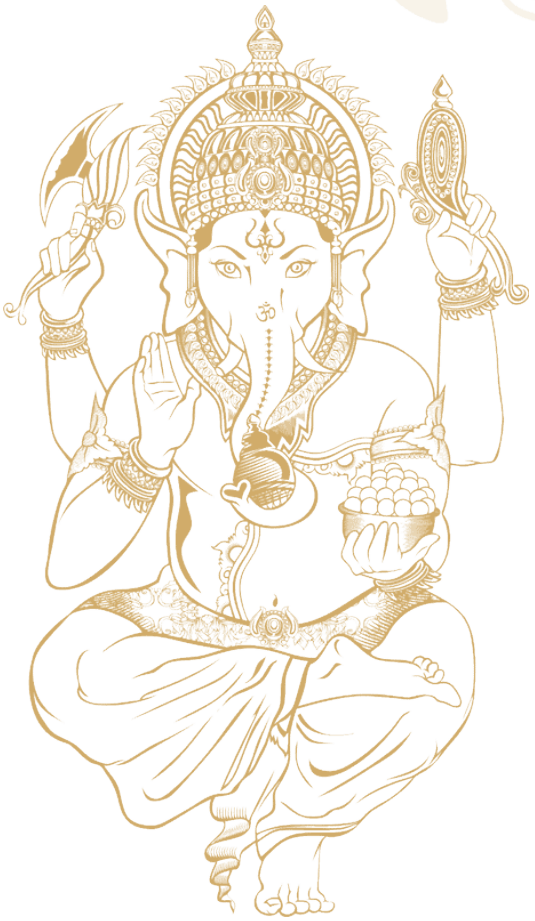

Miss Raina ji

18 Sep 1999

07:15 AM

Milan

Model: web-freekundliweb

Order No: 120957303

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/09/1999**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:15:04 घंटे**
इष्ट	00:25:56 घटी
स्थान	**Milan**
देश	Italy

अक्षांश	45:28:00 उत्तर
रेखांश	09:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	15:00:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	-01:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:51:44 घंटे
वेलान्तर	00:05:41 घंटे
साम्पातिक काल	05:38:30 घंटे
सूर्योदय	07:04:41 घंटे
सूर्यास्त	19:29:41 घंटे
दिनमान	12:24:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:00:36 कन्या
लग्न के अंश	02:04:52 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:04:52	273:02:11	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			कन्या	01:00:36	00:58:33	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	सम राशि
चंद्र			धनु	05:10:19	11:54:06	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			वृश्चि	16:06:04	00:39:56	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	09:05:03	01:43:46	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु	व		मेष	10:10:54	00:04:39	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	25:54:20	00:15:41	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	23:00:30	00:02:00	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु			कर्क	18:13:34	00:00:25	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			मक	18:13:34	00:00:25	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:30:05	00:01:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:55:05	00:00:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:08:18	00:00:59	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मिथु	01:12:46	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:58

लग्न-चलित

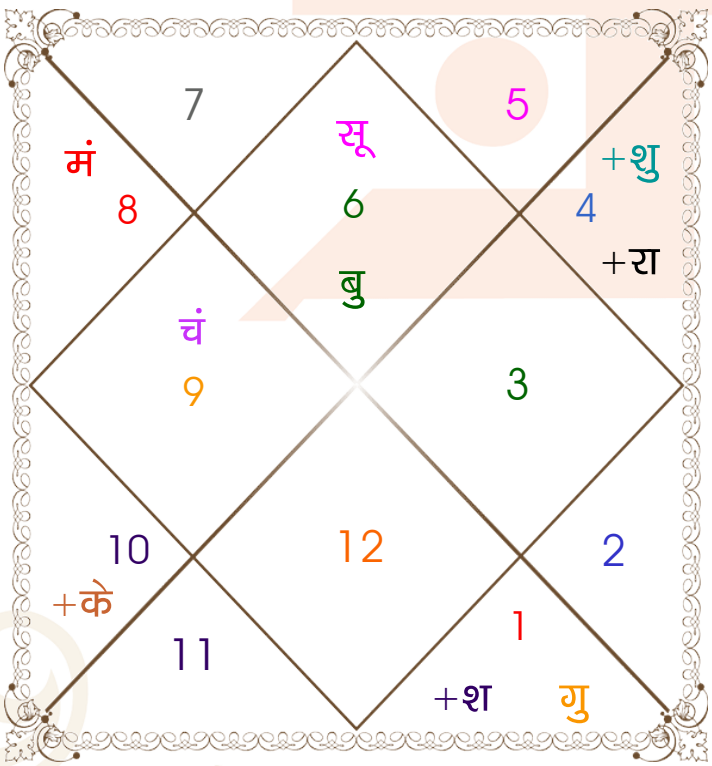

चन्द्र कुंडली

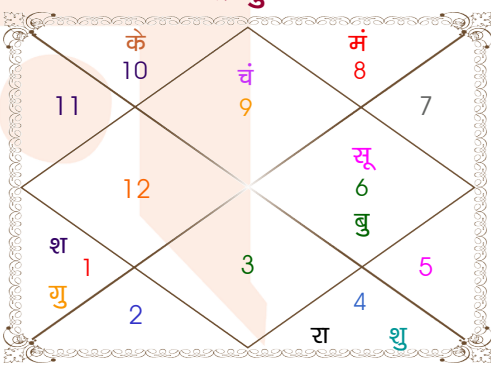

नवमांश कुंडली

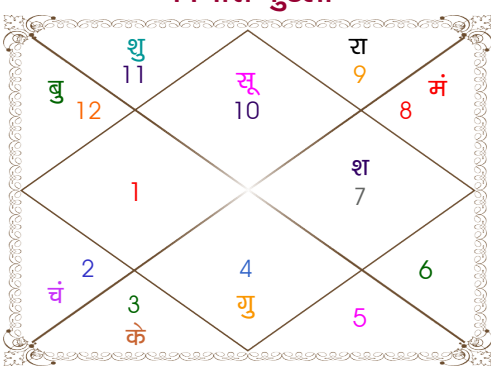

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 3 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/09/1999		31/12/2003		31/12/2023		30/12/2029		31/12/2039	
31/12/2003		31/12/2023		30/12/2029		31/12/2039		31/12/2046	
	00/00/0000	शुक्र	01/05/2007	सूर्य	18/04/2024	चंद्र	31/10/2030	मंगल	28/05/2040
	00/00/0000	सूर्य	01/05/2008	चंद्र	18/10/2024	मंगल	01/06/2031	राहु	15/06/2041
	00/00/0000	चंद्र	30/12/2009	मंगल	23/02/2025	राहु	30/11/2032	गुरु	22/05/2042
	18/09/1999	मंगल	01/03/2011	राहु	18/01/2026	गुरु	01/04/2034	शनि	01/07/2043
मंगल	30/11/1999	राहु	01/03/2014	गुरु	06/11/2026	शनि	31/10/2035	बुध	27/06/2044
राहु	18/12/2000	गुरु	30/10/2016	शनि	19/10/2027	बुध	31/03/2037	केतु	23/11/2044
गुरु	24/11/2001	शनि	31/12/2019	बुध	24/08/2028	केतु	30/10/2037	शुक्र	24/01/2046
शनि	03/01/2003	बुध	31/10/2022	केतु	30/12/2028	शुक्र	01/07/2039	सूर्य	31/05/2046
बुध	31/12/2003	केतु	31/12/2023	शुक्र	30/12/2029	सूर्य	31/12/2039	चंद्र	31/12/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
31/12/2046		30/12/2064		30/12/2080		31/12/2099		31/12/2116	
30/12/2064		30/12/2080		31/12/2099		31/12/2116		00/00/0000	
राहु	12/09/2049	गुरु	17/02/2067	शनि	03/01/2084	बुध	29/05/2102	केतु	29/05/2117
गुरु	05/02/2052	शनि	31/08/2069	बुध	12/09/2086	केतु	27/05/2103	शुक्र	29/07/2118
शनि	12/12/2054	बुध	06/12/2071	केतु	22/10/2087	शुक्र	26/03/2106	सूर्य	04/12/2118
बुध	01/07/2057	केतु	11/11/2072	शुक्र	21/12/2090	सूर्य	31/01/2107	चंद्र	05/07/2119
केतु	19/07/2058	शुक्र	13/07/2075	सूर्य	03/12/2091	चंद्र	01/07/2108	मंगल	19/09/2119
शुक्र	19/07/2061	सूर्य	01/05/2076	चंद्र	04/07/2093	मंगल	29/06/2109		00/00/0000
सूर्य	13/06/2062	चंद्र	31/08/2077	मंगल	12/08/2094	राहु	16/01/2112		00/00/0000
चंद्र	12/12/2063	मंगल	06/08/2078	राहु	18/06/2097	गुरु	23/04/2114		00/00/0000
मंगल	30/12/2064	राहु	30/12/2080	गुरु	31/12/2099	शनि	31/12/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 3 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करती कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहती हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करती है कि आपकी छोटी सी महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुकी हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगी और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगी। आप अस्थिर बुद्धि की महिला हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगी। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधी लम्बे आकृति की तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहती हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति की अंहकार से युक्त प्राणी है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होती हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि की महिला हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करती हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखती हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाती हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेती हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकती हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकती हैं। यदि आपमें

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर की नेता हो सकती हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकती है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।